Rashtriya Sahara 29-4-2022

केन्द्रीय मंत्री आईसीएफआरई की बैठक में हुए शामिल

🔳 सहारा न्यूज ब्यूरो

भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद सोसाइंटी देहरादून की वृहस्पतिवार को आयोजित 28वीं वार्षिक बैठक में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शिकरत की। वहआईसीएफआरई सोसाइंटी के अच्छब और महानिदेशक इसके मुख्य कार्यकारी है। इस मौके पर मंत्री ने एपी सिंह एफआरआई देहरादून की ओर से लिखित पुस्तक उत्तराखंड में बटर फ्लाई-फरिस्ट टाइप एसोसिएशन का भी विमोचन किया।

सोसायटी साल में एक बार अपनी बैठक में समाज की घटक इकाइयों की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करती है। इसके साथ ही ऐसे नीति निर्देश देती है, जो वे बोर्ड ऑफ गर्वनर्स, इकाइयों और सोसायटी की संविधान भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद सोसाइटी की 28 वीं आम सभा में साल भर के कार्यों का बताया

 एसपी सिंह एफआरआई की लिखित पुस्तक उत्तराखण्ड में बटर फ्लाई फॉरेस्ट टाइप एसोसिएशन का किया विमोचन

इकाइयों को उचित समझे। आईसीएफआरई की 28वीं वार्षिक आम बैठक बोर्ड रूम में सुबह साढ़े नौ बजे आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता भूपेंद्र यादव मंत्री पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन भारत सरकार ने की। वे भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद सोसाइटी के अध्यक्ष भी हैं। भूपेंद्र यादव और अन्य गणमान्य



अतिथियों का अरुण सिंह रावत महानिदेशक आईसीएफआई और भारतीय वानिको अनुसंभान और शिक्षा परिषद सोसायदी के सदस्य सचिव ने स्वागत किया। बैठक में सोसाइदी के सदस्य किया ने स्वागत किया। बैठक में सोसाइदी के सदस्यों की जानकारी के लिए बोर्ड ऑफ गनति होरा तैया रहे सीसाइदी के कामकाज और इसकी घटक इकाइयों द्वारा किए गए साविक रिपोर्ट कोर साथ में आंडिट किए गए खार्ती और साथ में आंडिट किए गए खार्ती और ऑडिटर की रिपोर्ट की सोसाइदी के सामने

बैठक में सोसायटी के समक्ष समिति

द्वारा रिपोर्ट को रखने के बाद, सदस्य सचिव रिपोर्ट को संसद के सदनों के पटल पर रखने के लिए भारत सरकार को अग्रेषित किया जाता है। इसके बाद सीपी गोयल डीजीएक और एसएस, एमओएफसीसी व अश्विनी कुमार

चौबे राज्य पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मंत्री ने भी सभा को संबोधित किया।

इसके उपरांत एएस रावत महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंघान और शिक्षा परिपद ने परिपद की प्रमुख पहल और उपलिख्या पर एक प्रस्तुति दी। इससे पूर्व एजेंडा के अनुसार 27वीं वार्षिक आम बैठक के कार्यवृत की पुष्टि की गई। तरचात वर्ष 2020-21 के लिए आईसीएफआर्ड वार्षिक रोखा वर्षिक स्वाप्त कर प्रसिक्त के साथ कर के साथ प्रस्तुत की गई थी।

वर्ष 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष के दौरान वानिकी, पर्यावरण और जलवायु गरिवर्तन के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए अनुसंघान, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों का एक संक्षिप्त विवरण है। यह भारतीय वानिकी अनुसंघान और शिक्षा परिषद संस्थानों द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं पर चर्चा करता है। संसद के चेनों भरतों के पटल एर रखने के लिए दोनों दस्तावेजों पर चर्चा की गई और फिर सोसायटी द्वारा सर्वसम्मित से

बैठक में सीपी गोयल आईएफएस डीजीएफ, विभिन्न आईसीएफआएई संस्थानी जीने के किया के एवओएफएफ, प्रधान प्रमुख वन संस्थाक, हिरायाणा, अन्य वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी, आईसीएफआएई सीसाइटी के अन्य सदस्य एवं मंजालय और भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के वरिष्ठ पट्यिकारियों ने हिस्सा लिया।

The Hawk 29-4-2022

28th Annual General Meeting Of ICFRE Society

ehradun (The Hawk): he Indian Council of orestry Research and ducation (ICFRE) is an utonomous Council uner the Ministry of Enironment. Forest and limate Change (MoEF c CC), Government of ndia. The Hon'ble Minster of Environment, orest and Climate hange is the President f ICFRE society and the pirector General is its hief Executive. The seneral Body is the sureme authority of the CFRE, headed by the Ion'ble Union Minister, nvironment, Forest and limate Change, Govrnment of India. Its nembers consist of servng and retried Officers rom various state govrnments, educational nstitutes, and scientific rganizations.

The Society reiews in its meeting once year the progress and erformance of the contituent units of the soiety and give such olicy directions as it lay deem fit to the



Board of Governors and the units and the Constituent units of the Society

An Annual Report on the working of the Society and all work undertaken by its constituent units during the year prepared by the Board of Governors for information of the members of the Society and together with Auditor's report thereon and audited accounts of the Society is placed before Society at its Annual General Meeting. After adoption of the Report by the Society, the Member Secre-

tary would forward the Report to the Govt. of India for laying it on the Tables of the Houses of Parliament.

Parliament.

Accordingly, 28th
Annual General Meeting
of ICFRE was held on
28.04.2022 at FRI board
room. The meeting was
presided over by Shri
Bhupendra Yadav,
Hon'ble Minister, Environment, Forest and Climate Change, Government of India who is
also the President of
ICFRE Society. Shri
Bhupendra Yadav and
other dignitaries were
welcomed by Shri Arun

Singh Rawat, Director General, ICFRE and Member Secretary of the ICFRE Society. This was followed by address of Sh. C.P.Goyal, IFS, DGF&SS, MoEF&CC. Sh. Ashwini Kumar Choubey, Hon'ble Minister of State MoEF&CC also addressed the gathering. The Ho'ble Minister Sh. Bhupender Yadav then addressed the gathering. This was followed by a presentation on salient initiatives and achievements of ICFRE by Sh. A.S. Rawat, DG,ICFRE.

As per the agenda, the minutes of the 27th AGM were confirmed by the house. The Annual Report of ICFRE for the year 2020-21 was presented along with Annual Audited Account of the year in the AGM. The Annual Report for the year 1020-21 is a brief account of research, education and extension activities performed in various sectors of forestry, environment and climate change during the year. It discusses projects undertaken by ICFRE institutes. Both the documents were discussed and then unanimously adopted by the society for placing the same on the tables of both the houses of the Parliament.

Hon'ble Minister released the book Butterfly-Forest Type Associations in Uttarakhand by Sh. A. P. Singh, FRI, Dehradun.

P. Singh, FRI, Dehradun.
The meeting was
attended by Shri C.P.
Goyal IFS, DGF and SS
and vice Chairman of
BoG of ICFRE, Directors
of different ICFRE institutes, HoFF of Assam,
PCCF Haryana, other senior IFS officers, other
esteemed members of
the ICFRE Society and
also senior officers from
MoEFCC, New Delhi
and ICFRE, Dehradun.
The meeting ended with
a vote of thanks by Sh.
R. K. Dogra, IFS,
DDG(Admin), ICFRE.

Dainik Jagran 29-4-2022

25 साल के अनुसंधान का खाका तैयार करे आइसीएफआरई

जागरण संवाददाता, देहरादून: जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने से लेकर वानिकी अनुसंधान के तमाम पहलुओं को हल करने की अहम जिम्मेदारी भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आइसीएफआरई) पर है। इसकी 28वीं वार्षिक बैठक में यह अपेक्षा करते हुए केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने निर्देश दिए कि संस्थान 25 साल का खाका तैयार करे।

गुरुवार को आयोजित बैठक में केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि आइसीएफआरई को विभिन्न विषयों के अनुसंधान को स्पष्ट करने के लिए विभिन्न कंसल्टेशन मीटिंग आयोजित करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने वनों पर निर्भर विभिन्न जनजातियों की आर्थिकी में सुधार करने की दिशा में भी काम करने पर बल दिया। वहीं, परिषद के महानिदेशक एएस रावत ने

आइजीएनएफए में स्वीमिंग पूल का उद्घाटन

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं राज्य मंत्री भूपेंद्र यादव व राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आइजीएनएफए) में पं. दीन दयाल उपाध्यक्ष आल वेदर स्वीमिंग पूल का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर अकादमी के निदेशक/आइसीएफआरई महानिदेशक एएस रावत ने बताया कि स्वीमिंग पूल प्रशिक्षु आइएफएस अधिकारियों के लिए तैयार किया गया है।

वार्षिक रिपोर्ट पटल पर रखी और इस पर चर्चा भी कराई गई। इसके अलावा महानिदेशक ने बतायां कि वर्ष 2020-21 में पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में क्या-क्या कार्य किए गए हैं।

Amar Ujala 29-4-2022

आईसीएफआरई की बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) सोसायटी की 28वीं वार्षिक बैठक केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई। इसमें बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की ओर से तैयार गई सोसाइटी के कामकाज और इसकी घटक इकाइयों के कार्यों पर वार्षिक रिपोर्ट और ऑडिटर की रिपोर्ट को रखा गया। चर्चा के बाद रिपोर्ट को मंज्री दी गई।

बृहस्पतिवार को आईसीएफआरई के महानिदेशक एवं शिक्षा परिषद सोसायटी के सदस्य सचिव अरुण सिंह रावत ने केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव का स्वागत किया। बैठक में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी चौबे, महानिदेशक वन सीपी गोयल ने संबोधित किया।

अरुण सिंह रावत ने उपलब्धियों पर एक प्रस्तुति दी। एजेंडा के अनुसार 27वीं वार्षिक आम बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई। इसके बाद वर्ष 2020-21 के लिए आईसीएफआरई की वार्षिक रिपोर्ट केंद्रीय वन मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में वन, पर्यावरण संरक्षण समेत कई मुद्दों पर चर्चा



प्रस्तुत की गई। इसमें वानिकी, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों का विवरण है।

बैठक में में वन मंत्री ने एपी सिंह की पुस्तक 'उत्तराखंड में बटरफ्लाई-फॉरेस्ट टाइप एसोसिएशन' का विमोचन किया। इस दौरान महानिदेशक वन सीपी गोयल, उप महानिदेशक आरके डोगरा आदि मौजूद थे।

The Pioneer 29-4-2022

Yadav calls for deliberation on forestry related models for next 25 years

PNS DEHRADUN



The Union minister of Environment, Forests and Climate Change, Bhupendra Yadav chaired the annual general meeting of the Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) Society here on Thursday. Speaking on the occasion, the minister who is also president of the society said that a day long deliberation session should be held to discuss the models which the institution can provide for the next 25 years for forestry, research, agro forestry and other related spheres. Union minister of State, MoEFCC, Ashwini Kumar Choubey and the director general of forests and special secretary CP Goyal also addressed the gathering on the occasion. The ICFRE director general Arun Singh Rawat made a presentation on salient initiatives and achievements of the council.

The annual report of ICFRE for the year 2020-21 was presented along with annual audited account of the year in the AGM. The annual report for the year 2020-21 is a brief account of research, education and extension activities performed in various sectors of forestry, environment and climate change during the year. It discusses projects undertaken by ICFRE institutes. Both the documents were discussed and then unanimously adopted by the society for placing the same on the tables of both the houses of the Parliament.

Shah Times 29-4-2022

आईसीएफआरई की 28वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित

 केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने की बैठक अध्यक्षता, कई वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजुद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त परिषद हैं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिषदं हैं। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री आईसीएफआरई सोसायटी के अध्यक्ष हैं और महानिदेशक इसके मुख्य कार्यकारी हैं।

केंद्रीय मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, भारत सरकार की अध्यक्षता में सामान्य निकाय आईसीएफआरई का सर्वोच्च प्राधिकरण है। इसके सदस्यों में विभिन्न राज्य सरकारों, शैक्षणिक



संस्थानों और वैज्ञानिक संगठनों के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल हैं। स्रोसायटी वर्ष में एक बार अपनी बैठक में समाज की घटक इकाइयों की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करती हैं और ऐसे नीति नर्रेश देती हैं जो वह बोर्ड ऑफ गवर्नर्स और इकाइयों की सोसायटी की संविधान इकाइयों को उचित समझे।

सोसाइटी के सदस्यों की जानक.

ारी के लिए बोर्ड ऑफ गवर्नर्स द्वारा
तैयार गई सोसाइटी के कामकाज और

इसकी घटक इकाइयों द्वारा किए गए

सभी कार्यों पर एक वार्षिक रिपोर्ट

और साथ में ऑडिट किए गए खातों

और ऑडिटर की रिपोर्ट को सोसाइटी

के सामने रखा गया। अपनी वार्षिक

आम बैठक में सोसायटी के समक्ष समिति ने रिपोर्ट को अपनाने के बाद सदस्य सचिव रिपोर्ट को संसद के सदनों के पटल पर रखने के लिए भारत सरकार को अग्रेषित किया जाता है।आईसीएफआरई की 28 वीं वार्षिक आम बैठक गरूवार को बोर्ड रूम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भुपेंद्र यादव, मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, भारत सरकार ने की, जो भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद सोसाइटी के अध्यक्ष भी हैं। भूपेंद्र यादव और अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत अरुण सिंह रावत, महा. निदेशक, आईसीएफआरई और भारतीय वानिकी अनुसंधान और

शिक्षा परिषद सोसायटी के सदस्य सचिव ने किया। इसके बाद सीपी. गोयल डीजीएफ और एसएस. एमओएफसीसी एवं अश्विनी कुमार चौबे, राज्य पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रलाय मंत्री ने भी सभा को संबोधित किया। तत्पश्चात मंत्री भूपेंद्र यादव ने सभा को संबोधित किया। इसके बाद ए.एस. रावत, महा निद. शक. भारतीय वानिकी अनसंधान और शिक्षा परिषद ने परिषद की प्रमुख पहल और उपलब्धियों पर एक प्रस्तुति दी। बैठक में सीपी गोयल, आईएफएस, डीजीएफ और एसएस और भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के बीओजी के उपाध्यक्ष विभिन्न आईसीएफआरई संस्थानों के निदेशक, असम के एचओएफएफ, प्रधान प्रमुख वन संरक्षक, हरियाणा, अन्य वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी, आईसीएफआरई सोसाइटी के अन्य सम्मानित सदस्य एवं मंत्रलाय और भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

Uttar Bharat Live 29-4-2022

भारतीय वानिकी अनुसंधान की वार्षिक बैठक हुई संपन्न

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो

uttarbharatlive.com

देहारादुन। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद पर्योवरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त परिषद है। पर्यावरण वन और जलवाय परिवर्तन मंत्री आईसीएफआरई सोसायटी के अध्यक्ष हैं और महानिदेशक इसके मुख्य कार्यकारी हैं। मंत्री पर्यावरण वन और जलवाय परिवर्तन भारत सरकार की अध्यक्षता में सामान्य निकाय आईसीएफआरई का सर्वोच्च प्राधिकरण है। इसके सदस्यों में विभिन्न राज्य सरकारों शैक्षणिक संस्थानों और वैज्ञानिक संगठनों के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल हैं। सोसायटी वर्ष में एक बार अपनी बैठक में समाज की घटक इकाइयों की प्रगति और ऑफ गवर्नर्स और इकाइयों और सोसायटी की संविधान इकाइयों को उचित समझे। सोसाइटी के सदस्यों की जानकारी के लिए बोर्ड ऑफ



>> पर्यावरण वन मंत्री ने किया कार्यक्रम का उदघाटन

गवर्नर्स द्वारा तैयार गई सोसाइटी के कामकाज और इसकी घटक इकाइयों द्वारा किए गए सभी कार्यों पर एक वार्षिक रिपोर्ट और साथ में ऑडिट किए गए खातों और ऑडिटर की रिपोर्ट को सोसाइटी के सामने रखा गया। तदनसार आईसीएफआरई की 28 वीं वार्षिक आम बैठक प्रदर्शन की समीक्षा करती है और वीरवार को बोर्ड रूम में आयोजित ऐसे नीति निर्देश देती है जो वह बोर्ड की गई। बैठक की अध्यक्षता भपेंद्र यादव मंत्री पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन भारत सरकार ने की जो भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद सोसाइटी के

अध्यक्ष भी हैं। यादव और अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत अरुण सिंह रावत, महानिदेशक आईसीएफआरई और भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद सोसायटी के सदस्य सचिव ने किया। इसके बाद सीपीगोयल डीजीएफऔर एसएसए एमओएप सीसी एवं अश्विनी कुमार चौबे राज्य पर्यावरण वन एवं जलवाय परिवर्तन मंत्रलाय मंत्री ने भी सभा को संबोधित किया। तत्पश्चात मंत्री भपेंद्र यादव ने सभा को संबोधित किया। इसके उपरांत एएस रावत

महा निदेशक परिषद ने परिषद की

प्रमुख पहल और उपलब्धियों पर

एक प्रस्तुति दी।